

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

(IQAC)

GOVT MAHARANI SUDARSHAN COLLEGE FOR WOMEN, BIKANER

ONE DAY WORKSHOP ON

DATA PRESENTATION AND PUBLICATION IN RESEARCH

Friday, April 1st, 2022

Schedule

11:00 am-11:15 am - Inaugural Ceremony

Chief Guest- Dr. Rakesh Harsh, Assistant Director, College Education, Bikaner Region

11:15am- 12:15pm- First technical Session

Chair-person- Dr. Indira Goswami

Key-Note Speaker- Dr. Smita Sharma (Associate Professor, Govt. Dungar College,
Bikaner)

12:15pm- 12:30pm- Tea- Break

12:30pm- 01:30pm- Second Technical Session

Chair-Person- Dr. Rishabh Jain

Key-Note Speaker- Dr. S.K.Verma (Assistant Professor, Govt. Dungar College, Bikaner)

01:30pm-02:00pm- Valedictory Session and Certificate Distribution

कार्यालय प्राचार्य, महारानी सुदर्शन महाविद्यालय बीकानेर

क्रमांक 865

दिनांक 26.3.2022

समस्त प्राचार्य
राजकीय एवं निजी महाविद्यालय
जिला बीकानेर

महोदय/महोदया ,

उक्त विषय में निवेदन है कि इस महाविद्यालय में IQAC की ओर से दिनांक 1 अप्रैल 2022 को "Data presentation and publication in Research" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है कार्यशाला दो सत्र 11:00 से 12:00 तथा 12:00 से 1.00 बजे तक ऑफ़ लाइन मोड पर आयोजित की जाएगी। आपके महाविद्यालय के कोई संकाय सदस्य इस कार्यशाला में भाग लेने में इच्छुक हों तो कृपया उन्हें इस कार्यशाला में भाग लेने हेतु भेजें। इस हेतु किसी प्रकार का कोई यात्रा भत्ता इस महाविद्यालय की ओर से देय नहीं होगा।

सधन्यवाद

भवदीय


प्राचार्य

वार्ता/सूचना | 2022/04/01

महारानी कॉलेज में संपन्न हुई एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला

By Dheeraj Joahi - April 1, 2022



https://bikaner24x7news.com/wp-content/uploads/2022/04/IMG-20220401-WA0502.jpg

अपना डीजिटल अकाउंट सुदृढ़ रखें

विप्लव शर्मा
(Founder & CEO) PS Investments

Watch on YouTube | Mutual Funds | Insurance | www.psinvestments.in

बोकारनेर, आज महाविद्यालय में अंतरिक गुणवत्ता संवर्धन प्रकौष्ठ द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सिता शर्मा सह आचार्य भौतिक शास्त्र विभाग राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बोकारनेर ने अपने विषय का प्रतिपादन करते हुए शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन को गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु बरती जाने वाली सावधानियों को विस्तार पूर्वक बताया। डॉ. शर्मा ने शोध में आने वाली बाधाओं से बचने की बजाय अपने ज्ञान को अवतन किए जाने की आवश्यकता पर बत दिया। शोध ज्ञान का संवर्धन कर सत्य की खोज करने में सहायक होता है। शोध का चयन करने हेतु शोधार्थी को शोध विषय के प्रति भी अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता रहती है। शोधार्थी निरंतर शोध पत्रों को पढ़ते रहें तथा अपनी शोध प्रवृत्ति को संवर्धित करते रहें। डॉ. सिता शर्मा ने शोध पत्र लेखन हेतु आई एम आर ए डी प्रारूप एवं इसके विभिन्न बिंदुओं यथा शीर्षक, सारांश, परिचय, शोध प्रविष्टियों, निष्कर्ष एवं चर्चा को विस्तार पूर्वक बताया।

अपने व्याख्यान के अंत में शोधार्थियों के लिए शोध पत्र प्रकाशन हेतु यूजीसी केपर लिस्ट में उपलब्ध ग्रुप वन एवं ग्रुप टू का उपयोग किस प्रकार किया जाए, इस संबंध में भी जानकारी उपलब्ध करवाई। कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. एसके वर्मा ने शोध में नकल को रोकने हेतु यूजीसी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप शोध को किस प्रकार गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए, विषय वस्तु को विभिन्न साइटों पर किस प्रकार जांचा जाए तथा नकल के दोषी बनने से किस प्रकार बचा जाए इन सब की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। डॉक्टर वर्मा ने शोध पत्रों की जांच हेतु शोधार्थी, शोधसिंधु, शोधार्थीगोत्री तथा शोध शुद्धि पर भी विस्तृत चर्चा कर उनके अंतर को स्पष्ट किया। तकनीकी सत्रों से पूर्व उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉक्टर इंदिरा गोस्वामी ने स्वागत भाषण में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए शिक्षकों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आइक्यूएपी की कोऑर्डिनेटर डॉक्टर मोनिका क्षेत्रपाल ने विषय वस्तु की उपयोगिता तथा नवाचार हेतु कार्यशाला की महत्ता पर बत दिया।



डॉक्टर वर्मा ने शोध पत्रों की जांच हेतु शोधगंगा, शोधसिंधु, शोधगंगोत्री तथा शोध शुद्धि पर भी विस्तृत चर्चा कर उनके अंतर को स्पष्ट किया।
तकनीकी सत्रों से पूर्व उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉक्टर इंदिरा गोस्वामी ने स्वागत भाषण में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए शिक्षकों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।
आइक्यूएसी की कोऑर्डिनेटर डॉक्टर मोनिका क्षेत्रपाल ने विषय वस्तु की उपयोगिता तथा नवाचार हेतु कार्यशाला की महत्ता पर बत दिया।
कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ राकेश हर्ष ने अपने उद्घोषन में विविध प्रकार की शोध प्रतियोगियों एवं प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों हेतु शोध की दिशा में उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बत दिया।
उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन सचिव डॉ उज्वल गोस्वामी द्वारा किया गया तथा तकनीकी सत्रों का मंग संवादन डॉक्टर निलोफर द्वारा किया गया। कार्यशाला में बीकानेर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के 125 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करता कर कार्यशाला का सांभ उठाया।
कार्यक्रम के अंत में तकनीकी सत्रों के अध्यक्ष डॉ ऋषभ जैन ने सभी आगंतुक शिक्षकों, प्राचार्यों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

Join
Whatsapp

